IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों में स्वच्छ भारत अभियान में उनकी विद्यालय वातावरण एवं पारिवारिक वातावरण के प्रति जागरूकता का अध्ययन

निर्देशिका
डॉ. भारती शर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर

प्रस्तुतकर्त्री
आकांक्षा जायसवाल
एम.एड.छात्रा

सारांश –

स्वच्छ भारत अभियान को स्वच्छ भारत मिषन और स्वच्छता अभियान भी कहा जाता है। यह एक राष्ट्रिय स्तर का अभियान है और भारत सरकार द्वारा चलाया जा रहा है। जो कि चलाया जा रहा है जिससे शैक्षिक स्तर एवं पारिवारिक वातावरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अभियान में शौचालयों का निर्माण ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता कार्य क्रमों को बढ़ा देना, गलियों एवं सड़को की सफाई, देष के बुनियादी ढ़ाँचे का बदलना आदि शामिल है। स्वच्छ भारत अभियान को अधिकारिक तौर पर राजघाट, नई दिल्ली में 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी जी की 145 वीं जयंती पर प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया जाता। यह एक राजनीति मुक्त अभियान है और देषभक्ति से प्रेरित है। यह प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक जिम्मेदारी है। और देष को स्वच्छत देष बनाने के लिए हर भारतीय नागरिक की भागीदारी की आवष्यकता है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए विष्व स्तर पर लोंगों ने पहल की है।

प्रस्तावना –

''स्वच्छता ही देशा का है सौन्दर्य, जिसे लाना है हमारा कर्तव्य कहते है कि न बूंद–बूद से सागर भरता है ठीक महत्व प्रकार हर इन्सान स्वच्छता और सफाई का महत्व समझने लगे तो फिर अपने देश को स्वच्छ बनने में देर नही लगेंगी।''

''चलाओ जोरो से स्वच्छता अभियान,
तभी तो बनेगा हमारा भारत महान''

नई दिल्ली में राजपथ पर 'स्वच्छ भारत अभियान' का शुभारंभ करते हुए श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, ''2019 में महात्मा गाँधी की 150 वीं जयन्ती के अवसर पर भारत उन्हें स्वच्छ भारत के रुप में सर्वश्रेष्ठ श्रद्धांजलि दे सकता हैं।'' 2 अक्टूबर 2014

को देषभर में एक राष्ट्रीय आन्दोलन के रूप में स्वच्छ भारत मिषन की शुरूआत हुई।

स्वच्छ भारत अभियान के तहत ''डल बसमंद प्दकपं'' का भी शुभारंभ किया गया। ताकि देषभर में सफाई कार्य करने वाले लोग अपने कार्यों को सबके सामने रख संके। स्वच्छ भारत का उद्देष्य व्यक्ति कलस्टर और सामुदायिक शौचालयों के निर्माण के माध्यम से खुले में शौच को कम करना या समाप्त करना है।

समस्या का औचित्य –

प्रस्तुत शोध के आधार पर माध्यमिक स्तर को विद्यार्थियो में स्वच्छ भारत अभियान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने तथा समस्यों के निराकरण के लिए उन्हे समाज (परिवार) व विद्यायल स्तर पर सक्रिय योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करना हैं आज के विद्यार्थी ही कल के भविष्य है। यदि वे ही स्वच्छता के महत्व को समझकर सुव्यवस्थित तरीके से इसका उपयोग करेंगे तो समाज में स्वतः ही परिवर्तन आयेगा तथा सभी स्वच्छता महत्व को समझेंगे और इस ओर सकारात्मक प्रयास करेंगे।

- गांधी जी सभी रचनात्मक कमों में सफाई को महत्वपूर्ण स्थान देते रहे है। वस्तुतः सफाई प्रकृति का एक मौलिक गुण है।
- गिजु भाई के स्वच्छता एवं स्वास्थय संबंधी विचार न केवल मनोविज्ञान के सिद्धान्तों पर खले उतरते है। वरन् बच्चों में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी अच्छी आदतों का समावेष भी करते है।

तकनीकी शब्दों का परिभाषीकरण –

(क) स्वच्छ भारत अभियान – स्वच्छ भारत अभियान मानवीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा चलाया गया भारत सरकार का एक सफाई अभियान है ।

शोध के उद्देश्य –

1. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में स्वच्छ भारत अभियान में जागरूकता का अध्ययन।
2. सरकारी विद्यालयों की माध्यमिक स्तर की छात्राओं की स्वच्छ भारत अभियान में जागरूकता का अध्ययन।
3. माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों के छात्रों की स्वच्छ भारत अभियान अभियान में जागरूकता का अध्ययन।
4. माध्यमिक स्तर के निजि विद्यालय के छात्रों में स्वच्छ भारत अभियान के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।
5. माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयो की छात्राओं में स्वच्छता भारत अभियान के प्रति जागरूकता का अध्ययन।
6. माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं निजी विद्यालयों की छात्राओं में स्वच्छ भारत अभियान के प्रति जागरूकता का अध्ययन।
7. माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के छात्रों में स्वच्छ भारत अभियान में प्रति जागरूकता का अध्ययन।
8. माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।

9. माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों मे स्वच्छता के ज्ञान के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।

,शोध के परिकल्पना –

1. माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्राति जागरूकता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं निजी विद्यालयो के छात्रों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं निजी विद्यालयों की छात्राओं में स्वच्छता के प्रति जागरूकता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
4. माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों में स्वच्छ भारत अभियान के ज्ञान के प्रति जागरूकता में काई सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध की विधि –

प्रस्तुत शोध कार्य में शोधकर्त्री द्वारा सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या –

प्रस्तुत अध्ययन में जयपुर जिले के उच्च माध्यमिक स्तर के निजी व सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में चयन किया गया है।

शोध में प्रयुक्त न्यादर्श –

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु न्यादर्श के रूप में उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी व निजी विद्यालय की 120 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा।

शोध में प्रयुक्त उपकरण –

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्त्री द्वारा स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया।

सांख्यिकीय प्रविधियाँ –

प्रस्तुत शोध कार्य में सांख्यिकी के रूप में निम्न का प्रयोग किया गया है –

1. मध्यमान
2. टी परीक्षण
3. टी मूल्य

शोध का परीसीमांकन –

1. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में स्वच्छ भारत अभियान की षिक्षा के प्रति जागरूकता का अध्ययन किया गया है।
2. यह राष्ट्रीय स्तर का कार्य है।
3. शोध कार्य हेतु सरकारी एवं निजी विद्यालयों का चयन किया गया है।
4. शोध कार्य में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को लिया गया है।
5. प्रस्तुत अध्ययन में शोध कार्य हेतु माध्यमिक स्तर के कुल 120 विद्यार्थियों को न्यायदर्षन के रूप में लिया गया है।
6. प्रस्तुत शोध में शोध कार्य का अध्ययन क्षेत्र राजस्थान राज्य के अलवर जिले को रखा गया है।

आँकड़ों का विश्लेषण –

माध्यमिक स्तर पर छात्रों एवं छात्राओं के स्वच्छ भारत अभियान के प्रति जागरूकता

क.सं.	विद्यालय	X	SD	t
1	सरकारी विद्यालय के छात्र एवं छात्राऐं	53.14	8.44	1.45
2	निजी विद्यालय के छात्र एवं छात्राऐं	55.62	10.78	

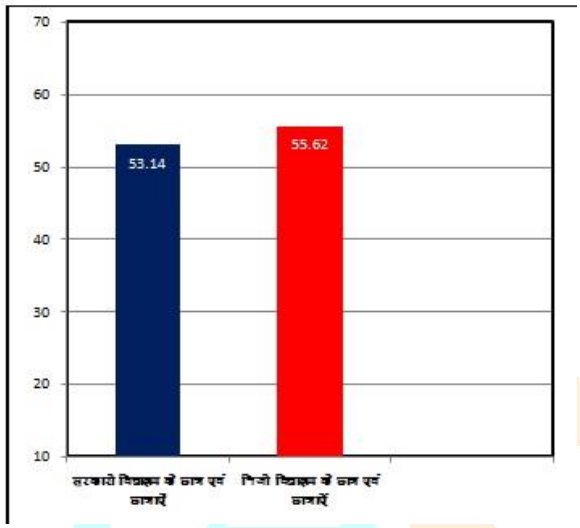

उपर्युक्त परिणामों के अनुसार स्वच्छ भारत अभियान के प्रति जागरूकता का सरकारी विद्यालय के छात्र–छात्राओं व निजी विद्यालय के छात्र–छात्राओं से ज्यादा जागरूकता रखते है। निष्कर्ष निकलता है कि सरकारी विद्यालय के छात्र व छात्रा निजी विद्यालय के छात्र व छात्राओं से कम रूचि रखते है।

शोध निष्कर्ष –

परिक्षण से प्राप्त प्रदत्तों के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि स्वच्छ भारत अभियान के प्रति माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं की जागरूकता सकारात्मक है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है 'ज' मूल्य के आधार पर माध्यमिक स्तर के सरकारी व निजी विद्यालयों के छात्र–छात्राओं की स्वच्छ भारत अभियान के प्रति जागयकता में सार्थक अन्तर पाया गया है। अतः शोधकत्री की शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है।

सुझाव –

(1) प्रस्तुत शोध में न्यादर्श के रूप में 120 विद्यार्थियों को लिया गया है प्राप्त निष्कर्षो के गहन परीक्षण के लिए विस्तृत न्यादर्श लेकर यह अध्ययन पुनः किया जा सकता है।

(2) इस शोध में जयपुर जिले के आमेर तहसील को लिया गया है इन तहसीलों पर भी अध्ययन किया जा सकता है।

(3) प्रस्तुत अध्ययन में माध्यमिक स्तर के (बालक–बालिका) विद्यालय (सरकारी/निजी) स्वतंत्रचर लिये गये है भविष्य में इसका अध्ययन उच्च माध्यमिक कक्षाओं पर भी अध्ययन किया जा सकता है।

(4) इसमें शिक्षित व अशिक्षित किशोरी व किशारों पर अध्ययन किया जा सकता है।

(5) प्रस्तुत अध्ययन में सरकारी व ग्रामीण छात्रों की स्वच्छ भारत अभियान के प्रति जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन भी किया जा सकता है।

(6) भौगोलिक स्थितियों का भी स्वच्छता पर पड़ने वाले प्रभावों का भी अध्ययन किया जा सकता है।

(7) परिवार के सामाजिक, आर्थिक स्तर का स्वच्छता पर पड़ने वाले प्रभावों का भी अध्ययन किया जा सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. कपिल एच.के :''अनुसंधान विधियाँ व्यवहारपरक विज्ञानों में ''भार्गव बुक हाऊस आगरा

4. गुड़ व स्केट्स :''मैथडस ऑफ रिसर्च'' न्यूयार्क न्यू एण्लीटन सैंचुरी क्राफ्ट 1964

5. घिसली ई.ई. : थ्योरी ऑफ साइक्लॉजी मेजरमेंट टाटा मेग्राहिल पब्लिशिंग कम्पनी न्यू देहली

6. चौधरी, एस.सिंह :''शोध प्रोजेक्ट, क्रियात्मक अनुसंधान खण्ड प्रथम स्वच्छता विभाग राजस्थान

7. त्यागी गुलशन दास : विद्यालय प्रशासन एवं स्वास्थ्य शिक्षा, ''विमल प्रकाशन मन्दिर आगरा,

8. नागर, के एन :''साख्यिंकी के मूल तत्व,'' मिनाक्षी प्रकाशन मेरठ